Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: DR.AWACHAR DIPALI ASHROBA Department: Hindi

Program:M.A F.Y –sem-1 **Subject**: Hindi **Course Code**: HHINC-501

Paper Title: पुर्व मध्यकालीन भक्तिकाव्य

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
1	काव्य।	भक्तिकाव्य की पृष्ठभूमि,स्वरूप और परिस्थितिया।	भक्ति काव्य के वैचारिक पृष्ठभूमि को परिचित कराना। भक्ति आंदोलन के वैचारिक पृष्ठ भूमि के अध्ययन से भक्ति साहित्य का सही और सार्थक मूल्यांकन होगा।
2	संत नामदेव	नामदेव रचनावली	अहिंदी भाषिक संत नामदेव की साहित्यिक योगदान को बताना। महाराष्ट्र का हिंदी भक्ति साहित्य में क्या योगदान है उसका ज्ञान छात्रों को बताना।
3	कबीर	कबीर ग्रंथावली दोहे-गुरूदेव को अंग -11से 20 सुमिरन को अंग को अंग -11 से 20 कथनी बीना करणी को अंग 11 से 15	कबीर की धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक प्रतिबद्धता से परिचित कराना। कबीर के काव्य से छात्रों मे धर्मनिरपेक्षता गुरु के प्रति आदर और निती निर्माण होगी ।
4	सुरदास -	भ्रमरगीत सार-पद-1 से 25	भ्रमरगीत सार के माध्यम से कृष्ण के प्रति वात्सल्य प्रेम भाव और बाल लीला से छात्रों को परीचित करना। भ्रमर गीत की प्रेम अनुभूति और भक्ति से परिचित करना। भक्ति की श्रेष्ठ का परिचय सुर से होगा।
5	तुलसीदास	रामचरितमानस -उतरकाड-36 से 60	संत तुलसीदास के राम भक्ति का बोध करना। छात्रों को रम के आदर्श और उदात्त मुल्यो का प्रभाव होगा।
6	सामान्य परीचय-1.गोरखनारथ	नाथ संप्रदाय।	नाथ संप्रदाय के प्रवर्तक के रूप में जाना जाता है।
	2.चदबरदाई	आदिकाल /वीरगाथाकाल	चंदवरदाई को आदिकाल के वीरगाथा काल की पृथ्वीराज रासो

			काव्य के प्रसिद्ध कवि माने जाते हैं।
	3.अमीर खुसरो। 4.रैदास	आदिकाल/भक्ति काल ।	अमीर अमीर खुसरो को हिंदी के प्रथम कवि माने जाते हैं। रैदास ने चमार जाति के होते हुए भी श्रद्धा और भक्ति भाव से भक्ति की है।
	5.मीराबाई	भक्ति काल/कृष्ण काव्य	कृष्ण के प्रति अखंड भक्ति अपना पूरा परिवार छोड़कर कृष्ण की भक्ति में अपना पूरा जीवन अर्पण कर दिया।

Specify Course Outcome: पूर्व मध्यकालीन भक्ति काव्य के अंतर्गत। भक्ति आंदोलन के वैचारिक पृष्ठभूमि को चित्रित किया।

Specify Program Outcome: भक्ति काव्य की पृष्ठभूमि उसकी परिस्थितियों नामदेव पदावली कबीर ग्रंथावली तुलसीदास कृत रामचरितमानस का उत्तराखंड सूरदास का भ्रमरगीत सार के साथ आदि पर प्रकाश डाला गया ।

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: DR.AWACHAR DIPALI ASHROBA Department:Hindi

Program: M.A F.Y –sem-II **Subject**:HINDI **Course Code**: HHINC-551

Paper Title: उत्तर मध्यकालीन काव्य

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
1.	१. रीतीकाल। 2. भूषण। 3.घनानंद	रीतिकालीन काव्य पृष्ठभूमि और विशेषताएं। भुषण ग्रन्थावली -शिवाबावनी - 5 से 10 घनानंद- कवित -पद 1 से 25	रितिकाव्या के पृष्ठभुमि मे और प्रवृत्तियों से परिचित कराना। रीतिकाल में जो लक्षण ग्रंथ लिखे गए हैं उसका ज्ञान प्राप्त होगा। भुषण की राष्ट्रीयता को बताना है। भुषण की कविता से छात्रों को प्रेरणा मिलेगी। मैं राष्ट्रभक्ति का भाव निर्माण होगा। घनानंद की प्रेम अनुभुती का एहसास करना। घनानंद के

			प्रेमानुभुति से त्याग और समर्पण आएगा।
२. 3.	4.रहीम। 5.बिहारी।	रहीम ग्रंथावली -पद 1 से 25। बिहारी रत्नाकर -1 से 25	रहीम के कृष्ण भक्ति को दर्शाना है। रहीम की कृष्ण भक्ति से छात्रों मे धर्मनिर्चएकता का भाव निर्माण होगा। बिहारी की नीति और काव्य सौंदर्य से अवगत कराना है। बिहार की नीति और सौंदर्य से नैतिकता और सुंदरता आएगी।
5.	सामान्य परीचय	रसखान केशवदास मतिराम देव भिखारीदास	सबका परिचय सामान्य रूप से करना।

Specify Course Outcome: रीतिकाल की पृष्ठभूमि और भूषण की वीरता का चित्रण बिहार के सौंदर्य का चित्रण करना ही इस उत्तर मध्यकालीन कवि की विशेषता है।

Specify Program Outcome: बिहारी ी नीति घनानंद की प्रेम अनुभुती सूरदास की कृष्ण के प्रति वात्सल्य भावना ।

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: MR.CHORGHADE SURYAKANT MUKUNDRAO **Department:.** **Hindi**

Program: M.A FY Sem-I **Subject**: HINDI Sub . **Code**: HHINC 502

Paper Title: हिंदी साहित्य का इतिहास आदिकाल से रीतिकाल तक

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
१	हिंदी साहित्य	हिंदी साहित्य इतिहास और लेखन परंपरा। हिंदी साहित्य काल विभाजन और नामकरण।	छात्रों को हिंदी साहित्य के कालवि भाजन की जानकारी देना। हिंदी साहित्य इतिहास लेखन परंपरा का चित्रण करना।

२.	आदिकालीन साहित्य	आदिकालीन परिस्थितियां रासो सिद्ध जैन नाथ साहित्य का सामान्य परिचय।	सामाजिक, साहित्यिक, आर्थिक, राजनीतिक परिस्थितियों का चित्रण करना। आदीकाल के स्वरूप से परिचित करना। रासो साहित्य में पृथ्वीराज चौहान की जीवनी का चित्रण करना
3.	भक्ति काव्य	भक्ति कालीन परिस्थितियां , भक्ति काव्य की पृष्ठभूमि एवं भक्ति आंदोलन, संत काव्य की विशेषताएं, सूफी काव्य की विशेषताएं, राम काव्य की विशेषताएं, कृष्ण काव्य की विशेषताएं।	भक्ति काल को स्वर्ण युग की उपमा दी गई है। भक्ति काव्य के आंदोलन से अवगत कराना भक्ति काव्य को पढ़ने से छात्रों में अध्यात्म भाव निर्माण होगा। संत काव्य में सगुण और निर्गुण काव्य के अंतर्गत संत कबीर दास और तुलसीदास का नाम विशेष रूप से आता है। सूफी काव्य में एजेंसी राम काव्य में तुलसीदास और कृष्ण काव्य में सूरदास का नाम लिया जाता है।
4.	रीतिकाल	रीतिकालीन परिस्थितियां रीतिबद्ध, रीति सिद्ध, रीतिमुक्त काव्य की प्रवृतियां।	लक्षण ग्रंथों की योगदान से अवगत कराना। रिद्धि सिद्धि काव्य धारा में बिहार के सौंदर्य काव्य से परिचित करना। रीतिबद्ध काव्य मे घनानंद की प्रेमानुभुती का चित्रण करना।
			।
			।
			.

Specify Course Outcome:

आदिकाल भक्तिकाल रीतिकाल और आधुनिक काल तक

भक्ति काल को ही सबसे अधिक महत्वपूर्ण माना गया है।

Specify Program outcome: भक्ति काल को जैसे स्वर्ण युग के उपमा दी हुई है गई है चार प्रमुख कवि कबीर सूर तुलसी जायसी का नाम आता है।

।

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: MR.CHORGHADE SURYAKANT MUKUNDRAO **Department:.** **Hindi**

Program: M.A FY II Sem. **Subject**: Hindi **Course Code**: HHINC552

Paper Title: हिंदी साहित्य का इतिहास आधुनिक काल

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
१	आधुनिक काल	पृष्ठभूमि परिस्थितियां और परिचय	आधुनिककाल की परिस्थितियों और पृष्ठभूमि से अवगत कराना। आधुनिक साहित्य पृवर्तियों का ज्ञान प्राप्त होगा।
२.	**आधुनिक काव्य**	भारतेंदु युग द्विवेदी युग छायावाद युग प्रगतिवाद प्रयोगवाद समकालीन कविता नई कविता -	भारतेंदु द्विवेदी छायावाद प्रगतिवाद प्रयोगवाद कविता नई कविता समकालीन कविता आदि की काव्यगत विशेषताओं से छात्रों को अवगत कराना।
3.	राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य धारा	स्वरूप और विशेषताएं	मार्क्सवाद गांधीवाद राष्ट्रीयता अस्तित्ववाद आदि विचारधारा का प्रभाव होगा।
4.	हिंदी गद्य विधाओं का विकास क्रम	उपन्यास साहित्य, कहानी साहित्य, नाटक साहित्य, निबंध साहित्य	हिंदी के साहित्यिक विधाओं की जानकारी छात्रों को देना जिसमें उपन्यास साहित्य साहित्य नाटक साहित्य और निबंध साहित्य कहानी साहित्य आता है।

Specify Course Outcome हिंदी साहित्य की इतिहास के आधुनिक काल के अंतर्गत भारतेंदु युग द्विवेदी युग छायावादी युग प्रकृतिवाद प्रयोगवाद समकालन कविता में कविता आदि को महत्व प्राप्त होता है।

Specify Program Outcome: महावीर प्रसाद द्विवेदी से लेकर छायावादी युग प्रगतिवाद प्रयोगवाद में प्रसाद पंत वर्मा निराला को भी महत्वपूर्ण माना गया और साथ में राष्ट्रीय संस्कृत काव्य धारा के अंतर्गत गांधीवाद मार्क्सवाद को महत्व दिया गया।

।

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher : MR.ANAND JALBAJI LOKHANDE **Department: Hindi**

Program: M.A FY Sem. I **Subject**: Hindi **Course Code**:HHINC503 **Paper Title** भारतीय काव्य शास्त्र

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
1	**भारतीय काव्यशास्त्र**	संक्षिप्त परिचय	भारतीय काव्य में व्याकरण का कौन सा महत्वपूर्ण भाग होता है इससे छात्रों को अवगत कराना। भारतीय काव्यशास्त्र परंपरा और संस्कृत काव्यशास्त्र परंपरा से परिचित करना।
2.	रस सिद्धांत	रस का स्वरूप और रस निष्पत्ति साधारणीकरण	रस सिद्धांत को समझना रस सिद्धांत के मूल्यांकन से कविता को को दृष्टि प्राप्त होगी।
3.	अलंकार सिद्धांत	अलंकार मूल स्थापना और अलंकारों का वर्गीकरण	अलंकार के अवधारणा और प्रकारों को बताना। अलंकार सिद्धांत से ज्ञान वृद्धि होगी।
4.	रीति सिद्धांत	रिति की अवधारणा काव्य गुण पाश्चात्य काव्यशास्त्र और रीति सिद्धांत	रीति सिद्धांत का आकलन करने के साथ। काव्य को समझाना और पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संबंध बताना।

5.	ध्वनि सिद्धांत	धोनी सिद्धांत का अर्थ और स्वरूप ध्वनि के विभिन्न रूप और उसके भेदाभेद।	नी सिद्धांत की उपयोगिता से परिचित कराना। ध्वनि सिद्धांत के उच्चारण से भाषिक ज्ञान अधिक शुद्ध होगा।
6.	वक्रोक्ति सिद्धांत	वक्रोक्ति की अवधारणा और वक्रोक्ति के भेद	वक्रोक्ति सिद्धांत के समझने से काव्य का लक्ष्यार्थ और व्यंग्यार्थ तो समझ में आएगा।
7.	हिंदी आलोचना	मार्क्सवादी आलोचना तुलनात्मक आलोचना समाजशास्त्रीय आलोचना	आलोचना के माध्यम से विभिन्न विद्वानों के महत्व स्पष्ट करते हुए मार्क्सवादी साहित्य की आलोचना समाजशास्त्री साहित्य की और तुलनात्मक साहित्य की आलोचना स्पष्ट किस तरह से की जाती है ऐसे छात्रों को परिचित कराना
		.	

1. **Specify Course Outcome:** भारतीय काव्यशास्त्र में रसो को साधारणीकरण वर्गीकरण स्थापना के साथ जोड़ा गया है ।

Specify Program Outcome : भारतीय विद्वानों के मतों के अनुसार रस सिद्धांत अलंकार सिद्धांत रीति सिद्धांत वक्रोक्ति और ध्वनि सिद्धांत का उल्लेख किया गया।।

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: Mr.Anand Jalbaji Lokhande **Department: Hindi**

Program: M.A FY Sem. II **Subject**: Hindi **Course Code**:HHINC553

Paper Title: पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
1	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त परिचय और परंपरा	पाश्चात्य काव्यशास्त्र का परीचय छात्रों को देना।
2.	अनुकरण सिद्धांत	अरस्तु का अनुकरण सिद्धांत और प्लेटो का अनुकरण सिद्धांत	अनुकरण सिद्धांत से परिचित कराना। प्लेटो और अरस्तु का अध्ययन करना।
3.	लोनाजाइनस और उनका उदात्त तत्व	उद्धत तत्व की अवधारणा और उसका स्वरूप उद्धत के अंतरंग तत्व और बही रंग तत्व	उदात तत्वों की अवधारणा और स्वरूप को बताना। साहित्यिक सुंदरता निर्माण होगी
4.	आई.ए.रिचर्ड	आई.ए.रिचर्ड का मुल्य सिद्धांत	मुल्य सिद्धांत से साहित्य की समीक्षा निर्माण करने में मदद होगी।
5.	टी.एस.इलियट	कल की निर्वैयक्तिकता	कला कि निर्वैयक्तिकता कितनी महत्वपूर्ण है। उसका बोध कराना।
6.	क्रोचे	अभिव्यंजनावाद	क्रोचे का अभिव्यंजनावाद को समझाना है।
7.	उत्तर संरचनावाद	संरचनावाद	उत्तर संरचनावाद से आशिक मूल्यांकन की दृष्टि प्राप्त होगी।
			।
			।
			।
			।
			।

Specify Course Outcome:

पाश्चात्य काव्यशास्त्र प्लेटो और अरस्तू का अनुकरण सिद्धांत उदात तत्व।

Specify Program Outcome:

सिद्धांत के माध्यम से अभिव्यंजनावाद संरचना का वर्णन किया है।

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: **MR.GADE SIDHARTH VALMIK** **Department:.** **Hindi**

Program: M.A.F Y. Sem : I **Subject**: HINDI **Course Code**:HHINE501

Paper Title: अस्मितामुल् विमर्श और हिंदी साहित्य

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
1 2. 3. 4.	अस्मिता मुलक विमर्श/दलित विमर्श/ उपन्यास। स्त्री विमर्श उपन्यास	विमर्श की वैचारिक पृष्ठभूमि और स्वरूप/अवधारणा और स्वरुप ,रुप नारायण सोनकर- नागफणी अवधारणा और स्वरूप गीतांजलि श्री -रेतसमाधी	अस्मिता मुलक विमर्श की वैचारिक पृष्ठभूमि से छात्रों को परिचित करना। अस्मिता मुलक वैचारीक विमर्श से छात्र और प्रगल्भ और समझदार होगे। दलित स्त्री अवधारणा और स्वरूप से अवगत कराना अस्मिता का एहसास करना नागफनी रेत समाधि अध्ययन से अवगत कराना। नागफनी आत्मकथा पढ़ने से दलित जीवन की पृष्ठभूमि का परिचय होगा।
5.	आदीवासी विमर्श	अवधारणा और स्वरूप उपन्यास -ग्लोबल गांव के देवता	वैश्वीकरण का आदिवासी साहित्य पैर कैसा प्रभाव हुआ उसका बोध ग्लोबल गांव के देवता उपन्यास के आधार पर होगा। आदिवासी अवधारणा उसके स्वरूप का अध्ययन करना छात्रों में चेतना निर्माण करना।

Specify Course Outcome:

अस्मिता के माध्यम से स्त्री विमर्श दलित विमर्श और आदिवासी विमर्श पर प्रकाश डाला गया है।

Specify Program Outcome:

नागफनी रेत समाधि और ग्लोबल गांव के देवता के माध्यम से उपन्यास में चित्रित समस्या का अध्ययन किया गया।

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: **Mr.GADE SIDHARTH VALMIK Department:.** **Hindi**

Program: M.A. F. Y. Sem II **Subject**:Hindi **Course Code**: HHINE551

Paper Title: हिंदी साहित्य और नव विमर्श

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
1	नव विमर्श	स्वरूप और उसकी प्रवृत्तियां	नव विमर्श और उसकी प्रवृत्तियों को समझना। नव विमर्श के वैचारिक पृष्ठभूमि का बोध होगा।
2	किसान विमर्श	किसान विमर्श -अवधारणा उसका स्वरूप संपादक- सुभाष चंद्र कुशवाहा- कथा में गांव कहानी संग्रह- केवल दस कहानीया	समकालीन हिंदी साहित्य और किसान विमर्श से परिचित करना। कथा मे गाव कहानी संग्रह के माध्यम से भारतीय किसानों की वर्तमान स्थिति समस्या से रूबरू होंगे।
3.	बाल विमर्श	बाल विमर्श -अवधारणा और उसका स्वरूप प्रो.दिनेश चमोला शैलेश-एक सौ एक बालगीत -काव्यसंगह- केवल दस बालगीत	शैलेश की बाल कविता की बाल कविता से परिचित कराना। उसे बाल जीवन की प्रति सद्भाव निर्माण होगा।
4.	किन्नर विमर्श	किन्नर विमर्श अवधारणा और उसका स्वरूप -नीरजा माधव-यमदिप	यमदिप उपन्यास का योगदान को बताना भारतीय समाज में किन्नर का क्या स्थान है उसके महत्व को समझना। यमदीप उपन्यास उसके लिए सहायक होगा।

Specify Course Outcome:

नव विमर्श में किसान,बाल,और किन्नर विमर्श पर अधिक ध्यान दिया है।

Specify Program Outcome:

किसान विमर्श पर कहानियां के माध्यम से, बाल विमर्श पर बालगीत के माध्यम से और किन्नर विमर्श पर यमदिप उपन्यास के माध्यम से प्रकाश डाला है।

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: DR.SOLANKE SANTOSH BHIKAJI Department: Hindi

Program: MAFY-opt.-SEM-I **Subject**: HINDI **Course Code**: HHINRM501

Paper Title: अनुसंधान की प्रविधि और प्रकिया

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
1. **2.** **3.**	अनुसंधान - अवधारणा स्वरूप और प्रकार अनुसंधान के सोपान ,शोध कि परिकल्पना	अवधारणा स्वरूप, प्रकार सोपान, परिकल्पना	छात्रों में अनुसंधान की दृष्टि निर्माण करना अनुसंधान की अवधारणा स्वरूप से परिचित करना। अनुसंधान कैसा करें उसका ज्ञान प्राप्त होगा।
4.	तथ्य संकलन और विषय कि रूपरेखा	विषय के रुपरेखा	शोध की परिकल्पना से अवगत कराना। अनुसंधान की आलोचना का अंतर प्राप्त होगा। सत्य संकलन कैसा करें उसका ज्ञान प्राप्त होगा।
5.	अनुसंधान कि पद्धतियां	अनुसंधान की पद्धतियां	अनुसंधान की पद्धतियां देखने दे शोध में महत्वपूर्ण बात होती है वर्णनात्मक पद्धति तुलनात्मक पद्धति कहीं पद्धतियों का प्रयोग अनुसंधान के अंतर्गत आता है।

Specify Course Outcome: अनुसंधान का स्वरूप अवधारणा प्रकार सोपान और परिकल्पना से परिचित कराना।

Specify Program Outcome: - अनुसंधान की रूपरेखा के साथ उसकी पद्धतियों को देखना भी अनुसंधान में महत्वपूर्ण बात होती है।

I

Signature of Teacher :

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: DR.SANTOSH BHIKAJI SOLANKE Department: Hindi

Program: MAFY-opt.-SEM-II Subject: HINDI-opt Course Code: HHINFP55 Paper Title: क्षेत्रिय परियोजना

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
1. 2. 3.	क्षेत्रिय शोध/रूपरेखा अध्ययन के स्रोत/तथ्य संकलन की पद्धति	क्षेत्रीय स्त्रोत की परिकल्पना क्षेत्रीय विषय का चयन क्षेत्रीय विषय का महत्व क्षेत्रीय शोध की मौलिकता।/ प्रश्नावली साक्षात्कार निरीक्षण अनुसूची/	छात्रों में सर्वेक्षण आत्मक शोध दृष्टि निर्माण हो। तथ्यात्मक मक जानकारी का संकलन हो। विषय का चयन अच्छी तरह से हो क्षेत्रीय शोध का महत्व प्राप्त हो। अनुसंधान करते समय शोधकर्ता निरीक्षण आदि का दोनों को ज्ञान प्राप्त हो। तथ्य का संकलन करते समय तथ्य संकलन की जानकारी का ज्ञान उसे प्राप्त हो।
4। । 5. ।	तथ्य संकलन का अध्ययन।/ शोध का अंतिम रूप	वर्गीकरण विवेचन विश्लेषण शोध का अंतिम रूप।/निष्कर्ष अनुसंधान पद्धति से लेखन संदर्भ ग्रंथ सूची और मौखिकी	तार्किक और वैज्ञानिक शोध से ज्ञान प्राप्त हो तथ्य संकलन का अध्ययन करते समय। शोध के अंतिम रूप में संदर्भित ग्रंथ सूची निष्कर्ष मौखिकी आदि का ज्ञान से परिपूर्ण हो। सत्य संकलन कौशल विकसित को सामाजिक वैज्ञानिक दोनों भी ज्ञान हो। शुद्ध करता हूं को अनुसंधान करते समय बहुत ही जिम्मेदारी से काम संभालना पड़ता है तभी शोध का कार्य अच्छी तरह से होने लगता है। वशीकरण कौशल भी अधिक विकसित होगा अनुसंधान नमक दृष्टि छात्रों को प्राप्त होगी। तार्किक निष्कर्ष भी सामाजिक उपयोग के होंगे।

Specify Course Outcome: - अनुसंधान आत्मक क्षेत्रीय परियोजना के अंतर्गत शोध को अधिक महत्व दिया गया है अनुसंधान में तथ्य संकलन का वर्गीकरण और तथ्य संकलन की पद्धति का भी ज्ञान महत्वपूर्ण होता है।

Specify Program Outcome: -क्षेत्रीय परियोजना के अंतर्गत अनुसंधान की अंतर्गत निष्कर्ष संदर्भ ग्रंथ सूची आदी विशेष रूप से ध्यान देना पड़ता है ।

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: **Mr.Devidas Ganesh Yelne** **Department:** **Hindi**

Program: BASY-SEM -3 -SEC **Subject**:HINDI **Course Code**: 1

Paper Title: कौशल्य विकास प्रश्नपत्र

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
1.	पत्र-लेखन	**1.**आवेदन पत्र 2.पारिवारीक पत्र 3 .मांगपत्र 4.शिकायत पत्र 5.सरकारी पत्र	आवेदन का प्रारूप बताया गया। परिवार के सदस्य को पत्र लिखना। कोई वस्तु पोस्ट से मंगवानी हो तो उदा. किताबे । किसे से शिकायत करनी है तो इस पत्र का प्रयोग होता है। सरकारी कामकाज के लिए इसका प्रयोग होता है।
2.	कम्प्यूटर प्रयोग	१.कम्प्युटर का सामान्य परीचय २.ई.मेल आय.डी का पंजीकरण ३.ई.मेल भेजने की विधी ४.वेब सर्चिग	कम्प्यूटर का परीचय मे उसका प्रयोग ऑफलाइन और ऑनलाइन के लिए होता है।मोबाइल अँप और कम्प्युटर के माध्यम से मेल आय डी बना सकते है।ई.मेल भेजने की विधी से छात्र को ज्ञात कराया है। वेबसाइट से गुगलपर सर्चिग कि जाती है।

Specify Course Outcome: -मनुष्य के जीवन मे पत्रो का प्रयोग पहले अधिक होता था।

Specify Program Outcome:कम्प्यूटर कि जानकारी आज के जीवन मे आवश्यक होती है।

Signature of Teacher

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: Mr.Anand Jalbaji Lokhande Department: Hindi

Program: BASY- SEC-SEM-4 Subject: Course hindi Code: 2

Paper Title: कौशल्य विकास प्रश्नपत्र

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
1.	पटकथा संकल्पना और स्वरूप	पटकथा	फिल्म के कहानी के लिए जो कथा लिखी जाती है,वही पटकथा है।
2.	समाचार लेखन	1. समाचार पत्र के लिए समाचार लेखन 2.दूरदर्शन के लिए समाचार लेखन 3.आकाश वाणी के लिए समाचार लेखन	समाचार पत्र के लिए हिंदी भाषा मे समाचार लेखन किया जाता है।दूरदर्शन के लिए भी समाचार लेखन किया जाता है।रेडियो के क्षेत्र मे भी आकाशवाणी के लिए समाचार लेखन किया जाता है।
3.	नकदी रहीत व्यवहार	1.चेक तथा बॅक प्रणाली द्वारा भुगतान 2.कम्प्यूटर इंटरनेट प्रणाली द्वारा भुगतान 3.स्वाईप (pos)मशीन द्वारा भुगतान 4.भ्रमणध्वनी द्वारा भुगतान 5.एटीएम प्रणाली द्वारा भुगतान 6.विभिन्न बैंकिंग के ॲप द्वारा भुगतान	बैंकिंग क्षेत्र मे चेक द्वारा अधिकतर भुगतान किया जाता है।इंटरनेट बॅकिंग द्वारा भुगतान होता है।बहुत सारे व्यवहार दुकान पर स्वाईप मशीन के आधार पर होता है।भ्रमण ध्वनी मोबाइल से भुगतान किया जाता है।अधिकतर लोग एटीएम मशीन से भुगतान किया जाता है। बैंकिंग के ॲपद्वारा भी भुगतान किया जाता है।

Specify Course Outcome: -पटकथा क्या होती है उसकी संकल्पना के माध्यम से प्रतिपादित किया है।

Specify Program Outcome: समाचार लेखन नकदी रहीत व्यवहार को महत्व दिया है।

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: Mr.Devidas Ganesh Yelne Department: Hindi

Program: B.A.S.Yopt-.-SEM-4 Subject: HINDI Course Code: 7

Paper Title: आधुनिक काव्य

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
1.		1.किसान २. हिमाद्री तुंग श्रृंग से ३. कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ 4.नदी के दीप 5.प्रेत का बयान 6.चंपा कालेज कालेज अच्छा नही चीन्हाती 7. जंगल का संघर्ष 8. साये मे धुप 9. सदीयो का संताप 10.औरत कमजोर नही 11.युध्द के विरूद्ध 12.सड़क दर सड़क	. इस कविता में। किसानों की मेहनत। और परिश्रम का चित्रण किया गया है।शुरू वीरों का बलिदान। और उनके शौर्य का। चित्रण किया गया।कवि क्रांति के बात करना चाहते हैं।नदी के द्वीप को। एक प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया है।नागार्जुन ने एक अध्यापक का चित्रण किया है।इस कविता में कवि ने शहर के विरुद्ध गांव। और। पैसों के खिलाफ़ इंसानी रिश्तों का चित्रण किया।अपनी जमीन बचाने का संघर्ष किया।यह गज़ल। अन्य अत्याचार की रूत। संघर्ष करने के लिए प्रेरित करती है।कभी नहीं प्रेम की धारा को व्यक्त किया है।इस कविता के माध्यम से आज की नारी। हर समस्या का सामना करने का संघर्ष। चित्रित किया है।इस कविता में। युद्ध की भयानक पीड़ा का चित्रण किया।मज़दूरों की आर्थिक पीड़ा का चित्रण किया है।
2.			
3.			

Specify Course outcome:आधुनिक काव्य किसानों को महत्व दिया गया। प्रेम की पीड़ा को महत्व दिया गया। स्त्री को महत्व दिया गया। इंसानी रिश्तों को भी। महत्वपूर्ण रूप से चित्रित किया।है।

Specify Program Outcome: - किसान और बहुतमेहनत, परिश्रम का महत्व बताते हुए। इंसानी रिश्ते किस तरह से बनाकर रखने है? साथ में औरत के। कमजोरियों को एक समस्यात्मक रूप में चित्रित किया है।

Signature of Teacher

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: Mr.chorghade suryakant mukundrao Department: Hindi

Program: B.A.T.Y-SEM-5 opt Subject: HINDI Course Code: 4

Paper Title: हिंदी साहित्य का इतिहास

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
1.	आदिकाल	आदिकाल का परीचय साहित्य की प्रेरक परिस्थितिया	हिंदी साहित्य के इतिहास मे आदिकाल का महत्व बताकर परिचय देना। हिंदी साहित्य इतिहास के प्रेरक परिस्थिति मे सामाजिक सांस्कृतिकता महत्व प्रतिपादित किया।
2.	भक्तिकाल	भक्तिकाल का परीचय निर्गुण भक्ति सगुण भक्ति।	हिंदी साहित्य के इतिहास मे भक्तिकाल के परीचय और महत्व को प्रतिपादित किया है। निर्गुण भक्ति में। ज्ञानश्री। प्रेमाश्रय शाखा की प्रतियों को समझाया गया। सगुण भक्ति साहित्य में सगुण भक्ति का। अध्ययन किया। महत्व बताया। रामभक्ति और कृष्ण भक्ति का परिचय दिया।
3. 4.	रीतिकाल। आधुनिक काल।	रीतिकाल की तीनों धाराओं का परिचय। परिचय। तथा विभिन्न युगों का परिचय।	रिति काल का परिचय देकर रीतिबद्ध? रिति सिद्ध। तथा रिद्धि मुक्त का काव्य का संक्षिप्त परिचय दिया गया।आधुनिक काल के परिचय में भारतेंदुयोग? द्विवेदी, युग। छायावाद? प्रगतिवाद। प्रयोगवाद का? संक्षिप्त परिचय दिया गया।

Specify Course Outcome: - हिंदी साहित्य के इतिहास मे आदिकाल को महत्व दिया गया।परिस्थिती पर चर्चा कि गयी।

Specify Program Outcome: - रीतिकाल और आधुनिक काल मे युग पर संक्षिप्त रूप से ध्यान दिया गया।

Signature of Teacher :-

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: Mr.chorghade suryakant mukundrao Department:

Program: BATY SEM-6 Subject: HINDI Course Code: 10

Paper Title: साहित्यशास्त्र

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
1.	काव्य शब्दशक्ति आलोचना	काव्य का अर्थ, स्वरूप प्रयोजन हेतु का परीचय अर्थ, परीभाषा,स्वरूप का परीचय शब्दशक्ति के भेद परीभाषा आलोचना के प्रकार	काव्य किसे कहते है।उसका अर्थ, स्वरूप, हेतु, तत्वो का प्रयोजन बताकर महत्व को समझाया। शबदशक्ति मे परीभाषा अर्थ और स्वरूप के महत्व को समझाया गया।उसमे अर्थ व्यक्त करने का व्यापार होता है। शब्दशक्ति के भेद मे अभिधा,लक्षणा,और व्यंजना का विवेचना किया गया।छात्रो को परीभाषा का महत्व बताया गया। आलोचना के प्रकार को स्पष्ट कर सैद्धांतिक, ऐतिहासिक, मार्क्सवादी,तथा तुलनात्मक आलोचना का महत्व बताया गया।

Specify Course Outcome: साहित्य शास्त्र के अंतर्गत काव्य की परीभाषा,शब्दशक्ति को महत्व दिया गया

Specify Program Outcome: आलोचना की परीभाषा,भेद को प्रतिपादितकिया है।अभिधा,लक्षणा, व्यंजना. को विवेचित किया गया।

Signature of Teacher:

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: Mr.chorghade suryakant mukundrao Department:MARATHI

Program: BA TY SEM-6 Subject:Hindi Course Code: 11

Paper title :हिंदी भाषा।

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
क	हिंदी भाषा।	1.भाषा की परिभाषा तथा स्वरूप। 2 .भाषा की विशेषताएं। 3.हिंदी भाषा का उद्भव और विकास।	मनुष्य के विचारों को व्यक्त करने का माध्यम भाषा है। भाषा परिवर्तनशील होती है, सामाजिक होती है। प्राचीनता से लेकर मध्यकाल तक आधुनिक काल से लेकर आर्यो तक इसका विकास होता गया।
2.	हिंदी की स्थिती	1.भाषा प्रौद्योगिकी स्वरूप। और संभावना है। 2.हिंदी की संवैधानिक स्थिती? 3.हिंदी की वैश्विक स्थिति।	तकनीकी युग में भाषा का इलेक्ट्रॉनिक माध्यम बन गया। 343 से 351 तक। अनुचित की संवैधानिक स्थिती बनी है। विश्व के स्तर पर हिंदी के महत्व से छात्रों को अवगत कराया गया। अनुवाद कार्यालय में केंद्रीय विद्यालय में रोजगार के अवसर पर। अधिक। बढ़ गए हैं।
3.	हिंदी भाषा के । विविध रूप।	१. प्रयोजनमूलक हिंदी 2.राष्ट्र भाषा 3.राजभाषा 4.संपर्क भाषा	कामकाजी हिंदी बोलचाल की हिंदी के प्रयोजन का आधार बन गया। राष्ट्रभाषा का निर्माण हुआ। राजभाषा राज्य के तौर पर बनी है। संपर्क भाषा का प्रयोग कैसे हुआ है। इससे छात्रों को अवगत कराया गया है। अवलोकित। परिचित किया गया है।

Specify Course Outcome: हिंदी भाषा में। विचारों को। ज्यादा महत्व दिया गया। इसलिए। परिवर्तनशीलता। अधिक

महत्वपूर्ण है। प्राचीनता और मध्यकाल को भी महत्व दियाSpecify Program Outcome: रोजगार के अवसर। वैश्विक स्थिती

संवैधानिक स्थिती। अनुवाद और कार्यालय। ज्यादा महत्व है।

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: **Mr.chorghade suryakant mukundrao Department:.** **Hindi**

Program: B.A. T.Y. **Subject**: Hindi **Course Code**: HIN-5 I Semister : 06

Paper Title: भाषा शिक्षण

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
क-	वर्तनी।	1.शुद्ध वर्तनी का महत्व। 2.शुद्ध वर्तनी के नियम।	वर्तनी की शुद्धता को महत्व दिया। वर्तनी की नियम क्या होते हैं? छात्रों को। अवलोकित किया गया।स्वर्ग से कहते है उसको परिभाषित करती है। उसके बेटों को जानकारी दी। व्यंजनों की परिभाषा देखकर। व्यंजनों की परिभाषा देखकर उसके भेदो को। स्पष्टकिया है। है।
		3.स्वर परिभाषा और भेद। व्यंजन परिभाषा और भेद।	प्लुप्त स्वर,दीर्घ स्वर, रहस स्वर तीन भेद है।व्यंजन मे रूढी और प्रयोजनवती दो होती है।
ख-	व्याकरण।	1.लिग परिभाषा और भेद। 2.वचन परिभाषा और भेद। 3.क्रिया परीभाषा और भेद 4.काल परीभाषा और भेद	लिंग दो प्रकार के होते है।स्त्रीलिंग और पुलिंग। वचन दो प्रकार के होते है।एकवचन,बहुवचन क्रिया भी कई प्रकार के होते है।काल के प्रकार मे तीन प्रकार के है वर्तमान काल भूतकाल,

			भविष्य काल छात्र को अवलोकित किया गया।
ग-	सृजनात्मक व्यक्तित्व	1.कबीर 2. महादेवी वर्मा 3.महात्मा गांधी 4.डा.बाबासाहेब अंबेडकर 5.अटलबिहारी वाजपेयी 6.डा.ए.पी.जे.अब्दुल कलाम	भक्तिकाल मे ज्ञानाश्रयी शाखा के प्रवर्तक। आधुनिक काल की वरिष्ठ साहित्यकार महादेवी वर्माहै।आधुनिक मीरा के नाम सभी जाना जाता है।महात्मा गांधी को राष्ट्र पीता के रूप मे जाना जाता है।हिंदी में दलित समाज-सुधारक के रूप मे जाने जाते है।अटलबिहारी जी एक राजनीतिक व्यक्तित्व और कवि भी है।अबुल कलाम जी भी एक राजनीतिक राष्ट्रपती भी थे।

Specify Course Outcome:

व्याकरण को भाषा शिक्षण-समाज मे बहुत महत्व है।वर्तनी शुध्द लेखनी को भी विशेष महत्व प्रतिपादित किया है।लिंग वचन,किया काल का भी व्याकरण मे महत्व है।

Specify Program Outcome:

सृजनात्मक व्यक्तित्व को भी अधिक महत्व दिया गया है।भक्ति संप्रदाय मे कबीरदास को श्रेष्ठ माना जाता है।

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: **Mr.chorghade suryakant mukundrao Department:.** **HINDI**

Program: B.A. T.Y. **Subject**: HINDI **Course Code**: HIN 3 SEC Semister : 05

Paper Title: कौशल्य विकास प्रश्नपत्र

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
अ-		1.सिनेमा की पटकथा 2.दूरदर्शन की पटकथा 3 .रेडिओ की पटकथा	फिल्मो के लिए कहानी लेखन ही सिनेमा कि पटकथा होती है।रेडियो लेखन मे और दूरदर्शन की पटकथा उसीतरह की होती है।
ब-		श्रवण कौशल्य,वाचन कौशल्य , लेखन कौशल्य	
		पल्लवन की परीभाषा,स्वरूप और उदाहरण	।
क-			।

Specify Course Outcome:

Specify Program Outcome:

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani ---------

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher:

Department:.

Program: I Sem. **Subject**: **Course Code**:

Paper Title:

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
			I

Specify Course Outcome: I

Specify Program Outcome: I

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani ----------

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher:

Department:.

Program: Sem. **Subject**: **Course Code**:

Paper Title:

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome

1			
2			
3			

Specify Course Outcome:

Specify Program Outcome:

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher : . **Department:**

Program: . Subject: Course Code: 1 Paper Title:

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
1			

2			
		.	
3			

Specify Course Outcome:

Specify Program Outcome:

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher. Department

Program: BCOM .FY S.L. SEM-2 **Subject**: **Course Code**:

Paper Title:

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome

Specify Course Outcome:

Specify Program Outcome:

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: Department: Marathi

Program: .-SEM- Subject: Marathi Course Code: 3

Paper Title:

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
1.			.
2.			
3.			

Specify Course Outcome: -.

Specify Program Outcome: - .

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: Department:

Program: - Subject: Course Code: 4

Paper Titles

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome

1.			
2.			.
3.		.	

Specify Course Outcome:

Specify Program Outcome: - .

Signature of Teacher :-

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher : **Department:**

Program: **Subject**: **Course Code**: 1 **Paper Title:** .

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome

		.	

Specify Course Outcome:

Specify Program Outcome:

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: Department:

Program: . **Subject**I **Course Code**: 2 Paper Title:

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome

Specify Course Outcome: .

.

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: Department:

Program: .-SEM- Subject: i Course Code: 3

Paper Title:

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
			.

Specify Course Outcome: -

Specify Program Outcome: - .

Signature of Teacher

Dnyanopasak Shikshan Mandal's

College of Arts, Commerce and Science, Parbhani

Pro-forma for program and course outcomes (2.6.1)

Name of Teacher: Department:

Program: 4 Subject: i Course Code: 4

Paper Title:

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome

Specify Course Outcome: Specify Program Outcome: .

Signature of Teacher